

अनुक्रमांक \_\_\_\_\_  
नाम \_\_\_\_\_

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 8

901

801 (DD)

2023

हिन्दी

केवल प्रश्न-पत्र

समय : 3 घंटे 15 मिनट ]

[पूर्णांक- 70

निर्देश :

- (i) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।
- (ii) यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों 'अ' एवं 'ब' में विभाजित है।
- (iii) खण्ड अ में बहुविकल्पीय प्रश्न हैं जिसमें सही विकल्प का चयन करके O.M.R. शीट पर नीले अथवा काले बाल प्वाइंट पेन से सही विकल्प वाले गोले को पूर्ण रूप से काला करें।
- (iv) खण्ड अ में बहुविकल्पीय प्रश्न हेतु प्रत्येक प्रश्न के लिए 1 अंक निर्धारित है।
- (v) प्रत्येक प्रश्न के सम्मुख उनके निर्धारित अंक दिए गए हैं।

खण्ड- अ

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. झूठा सच किस विधा की रचना है : 1  
(A) निबंध (B) कहानी  
(C) उपन्यास (D) नाटक
2. अनन्त आकाश के रचनाकार हैं : 1  
(A) डॉ. धर्मवीर भारती (B) जयप्रकाश भारती  
(C) जयशंकर प्रसाद (D) यशपाल
3. निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा कथन सही है ? 1  
(A) गुनाहों के देवता के रचनाकार मुंशी प्रेमचन्द हैं।  
(B) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र आलोचना साहित्य के जनक माने जाते हैं।

- (C) गेहूँ और गुलाब निबन्ध के लेखक रामवृक्ष बेनीपुरी हैं।  
 (D) ईर्ष्या तू न गयी मेरे मन से निबन्ध के लेखक जयप्रकाश भारती हैं।
4. पंचांग दर्शन के रचनाकार कौन हैं ? 1  
 (A) मथुरानाथ शुक्ल (B) लल्लूलाल  
 (C) सदल मिश्र (D) इंशा अल्ला खाँ
5. शारंगधर रचनाकार हैं : 1  
 (A) परमाल रासो (B) हमीर रासो  
 (C) खुमाण रासो (D) बीसलदेव रासो
6. छायावाद युग की प्रमुख प्रवृत्तियाँ कौन-सी हैं ? 1  
 (A) कुण्ठा और निराशा के स्वर (B) श्रृंगार और प्रेम-वेदना  
 (C) नारी के प्रति परिवर्तित दृष्टिकोण (D) रीतिग्रन्थों का निर्माण
7. निम्नलिखित में से शुक्लोत्तर युग के लेखक कौन हैं ? 1  
 (A) वासुदेवशरण अग्रवाल (B) प्रतापनारायण मिश्र  
 (C) किशोरीलाल गोस्वामी (D) श्यामसुन्दर दास
8. साकेत किस युग की रचना है ? 1  
 (A) भारतेन्दु युग (B) द्विवेदी युग  
 (C) प्रगतिवादी युग (D) छायावादी युग
9. भारत-दर्दशा किस विधा की रचना है ? 1  
 (A) जीवनी (B) आत्मकथा  
 (C) रेखाचित्र (D) एकांकी
10. बिहारी किस युग के कवि हैं ? 1  
 (A) आधुनिक काल (B) रीतिकाल  
 (C) भक्तिकाल (D) आदिकाल
11. नाना वाहन नाना वेशा, बिहसे सिव समाज निज देखा ।  
 कोउ मुख हीन विपुल मुख काहू, बिनु पद-कर कोऊ बहु बाहू ॥

- उपर्युक्त पंक्ति में कौन-सा रस है ? 1  
(A) करुण रस (B) वीर रस  
(C) शान्त रस (D) हास्य रस
12. सुनि केवट के बैन, प्रेम लपेटे अटपटे। 1  
बिसरे करुना ऐन, चितइ जानकी लखन तनु।  
उपर्युक्त पंक्तियों में छन्द है :  
(A) रोला (B) सोरठा  
(C) सवैया (D) कुण्डलिया
13. अनुचर शब्द में प्रयुक्त उपसर्ग है : 1  
(A) अन (B) अनु  
(C) अ (D) आ
14. प्रत्यय के प्रकार हैं : 1  
(A) दो (B) चार  
(C) पाँच (D) तीन
15. वेद-पुराण में समास है ? 1  
(A) द्विगु (B) बहुब्रीहि  
(C) द्वन्द (D) तत्पुरुष
16. परमोद शब्द का तत्सम रूप है : 1  
(A) दीर्घ सन्धि प्रमोद (B) प्रमुद  
(C) प्रमोद (D) प्रमाद
17. इत्यादि में संधि है : 1  
(A) यण् सन्धि (B) गुण सन्धि  
(C) वृद्धि सन्धि (D) जश्त्व सन्धि
18. फलेन शब्द का वचन एवं विभक्ति है : 1  
(A) द्विवचन, चतुर्थी विभक्ति (B) एकवचन, पञ्चमी विभक्ति  
(C) बहुवचन, षष्ठी विभक्ति (D) एकवचन, तृतीया विभक्ति

19. अपठम्' धातु का वचन एवं पुरुष है :

1

(A) द्विवचन, उत्तम पुरुष

(B) एकवचन, प्रथम पुरुष

(C) बहुवचन, मध्यम पुरुष

(D) एकवचन, उत्तम पुरुष

### खण्ड- ख

#### वर्णनात्मक प्रश्न :

1. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

3×2=6

मित्रता के लिए यह आवश्यक नहीं है कि दो मित्र एक ही प्रकार का कार्य करते हों या एक ही रुचि के हों। इसी प्रकार प्रकृति और आचरण की समानता भी आवश्यक या वांछनीय नहीं है। दो भिन्न प्रकृति के मनुष्यों में बराबर प्रीति और मित्रता रही है। राम धीर और शान्त प्रकृति के थे, लक्ष्मण उग्र और उद्धत स्वभाव के थे दोनों भाइयों में अत्यन्त प्रगाढ़ स्नेह था। उदार तथा उच्चाशय कर्ण और लोभी दुर्योधन के स्वभावों में कुछ विशेष समानता न थी, पर उन दोनों की मित्रता खूब निभी।

- (i) प्रस्तुत अवतरण का संदर्भ लिखिए।
- (ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
- (iii) राम और लक्ष्मण के स्वभाव में क्या अंतर है ?

#### अथवा

अजन्ता संसार की चित्रकलाओं में अपना अद्वितीय स्थान रखता है। इतने प्राचीन काल के इतने सजीव, इतने गतिमान, इतने बहुसंख्यक कथा - प्राण चित्र कहीं नहीं बने। अजन्ता के चित्रों ने देश-विदेश सर्वत्र की चित्रकला को प्रभावित किया। उसका प्रभाव पूर्व के देशों की कला पर तो पड़ा ही, मध्य-पश्चिमी एशिया भी उसके कल्याणकर प्रभाव से वंचित न रह सका

- (i) प्रस्तुत अवतरण का शीर्षक लिखिए।
- (ii) रेखांकित अंशों की व्याख्या कीजिए।
- (iii) हमारे नैतिक सिद्धांतों में किस चीज को प्रमुख स्थान दिया गया है ?

2. दिए गए पद्यांश पर आधारित तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

3×2=6

निरगुन कौन देस को बासी ?

मधुकर कहि समुझाई सौँह दै, बूझति साँच न हाँसी ॥

को है जनक, कौन है जननी, कौन नारि, को दासी ?

कैसे बरन, भेष है कैसौ, किहिं रस मैं अभिलाषी ?

पावैगी पुनि कियौ आपनौ, जौ रे करैगौ गाँसी।

सुनत मौन है रह्यौ बावरी, सूर सबै मति नासी ॥

- (i) उपयुक्त पद्यांश का संदर्भ लिखिए।
- (ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
- (iii) उपयुक्त निर्गुण ब्रह्म के वर्णन में क्या कठिनाई व्यक्त की है ?

**अथवा**

अहिंसा चींटी को देखा ?

वह सरल, विरल, काली रेखा ।

तम के तागे-सी जो हिल-डुल

चलती लघु पद पल-पल मिल-जुल

वह है पिपीलिका पाँति ।

देखो ना, किस भाँति

काम करती वह सतत !

कन-कन कनके चुनती अविरत !

- (i) उपर्युक्त पद्यांश का संदर्भ लिखिए।
- (ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
- (iii) कवि 'वह है पिपीलिका पाँति' के द्वारा जीवन के किस आदर्श के प्रति संकेत करता है।

3. निम्न संस्कृत गद्यांश में से किसी एक का संदर्भ-सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए 2+3=5

वाराणसी सुविख्याता प्राचीना नगरी । इयं विमलसलिलतरङ्गायाः गङ्गायाः कूले स्थिताः । अस्याः घट्टानां वलयाकृतिः पङ्क्तिः धवलायां चन्द्रिकायां बहु राजते । अगणिताः पर्यटकाः सुदूरेभ्यः देशेभ्यः नित्यम् अत्र आयान्ति, अस्याः घट्टानाञ्च शोभां विलोक्य इमां बहु प्रशंसन्ति ।

### अथवा

आम् ! राष्ट्रद्रोहः ! यवनराज ! एकम् इदं भारतं राष्ट्रं, बहूनि चात्र राज्यानि, बहवश्च शासकाः । त्वं मैत्रीसन्धिना तान् विभज्य भारतं जेतुम् इच्छसि । आम्भीकः चास्य प्रत्यक्षं प्रमाणम् ।

4. निम्न संस्कृत पद्यांश में से किसी एक का संदर्भ-सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए 2+3=5  
अपदो दूरगामी च साक्षरो न च पण्डितः ।  
अमुखः स्फुटवक्ता च यो जानाति स पण्डितः ॥

### अथवा

धान्यानामुत्तमं किंस्विद् धनानां स्यात् किमुत्तमम् ।  
लाभानामुत्तमं किंस्यात् सुखानां स्यात् किमुत्तमम् ॥

5. अपने पठित खण्डकाव्य के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए : 1×3=3
- (क) (i) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग की कथावस्तु लिखिए।  
(ii) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य की प्रमुख घटना का उल्लेख कीजिए।
- (ख) (i) 'तुमुल' खण्डकाव्य के तृतीय सर्ग का कथानक लिखिए।  
(ii) 'तुमुल' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।
- (ग) (i) 'कर्मवीर-भरत' खण्डकाव्य की किसी घटना का वर्णन कीजिए।  
(ii) 'कर्मवीर-भरत' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।
- (घ) (i) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य के प्रधान पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए।  
(ii) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग का कथानक लिखिए।
- (ङ) (i) 'मेवाड़ मुकुट' खण्डकाव्य के आधार पर नायक का चरित्रांकन कीजिए।  
(ii) 'मेवाड़ मुकुट' खण्डकाव्य की प्रमुख घटना का उल्लेख कीजिए।
- (च) (i) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य के नायक का चरित्रांकन कीजिए।  
(ii) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य के तृतीय सर्ग की कथावस्तु लिखिए।

- (छ) (i) 'तुमुल' खण्डकाव्य के तृतीय सर्ग का कथानक लिखिए।  
(ii) 'तुमुल' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।
- (ज) (i) 'कर्मवीर-भरत' खण्डकाव्य की किसी घटना का वर्णन कीजिए।  
(ii) 'कर्मवीर-भरत' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।
- (झ) (i) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य के प्रधान पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए।  
(ii) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग का कथानक लिखिए।
- (ञ) (i) 'मेवाड़ मुकुट' खण्डकाव्य के आधार पर नायक का चरित्रांकन कीजिए।  
(ii) 'मेवाड़ मुकुट' खण्डकाव्य की प्रमुख घटना का उल्लेख कीजिए।
- (ट) (i) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य के नायक का चरित्रांकन कीजिए।  
(ii) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य के तृतीय सर्ग की कथावस्तु लिखिए।
- (ठ) (i) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।  
(ii) 'मातृभूमि के लिए' के द्वितीय सर्ग की कथावस्तु लिखिए।
- (ड) (i) 'कर्ण' खण्डकाव्य के आधार पर कर्ण का चरित्र-चित्रण कीजिए।  
(ii) 'कर्ण' खण्डकाव्य की किसी घटना का वर्णन कीजिए।
- (ढ) (i) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग का कथानक लिखिए।  
(ii) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के प्रधान पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए।

6. (क) दिए गए लेखकों में से किसी एक का जीवन परिचय देते हुए उनकी एक प्रमुख रचना का उल्लेख कीजिए: 3+2=5
- (i) जयशंकर प्रसाद  
(ii) डा० राजेन्द्र प्रसाद  
(iii) भगवतशरण उपाध्याय

6. (ख) दिए गए लेखकों में से किसी एक का जीवन परिचय देते हुए उनकी एक प्रमुख रचना का उल्लेख कीजिए: 3+2=5
- (i) तुलसीदास  
(ii) महादेवी वर्मा  
(iii) रामनरेश त्रिपाठी
7. अपनी पाठ्य-पुस्तक से कण्ठस्थ किया हुआ कोई एक श्लोक लिखिए जो इस प्रश्न-पत्र में न आया हो। 2
8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए : 2+2=4
- (i) श्वेतकेतुः कस्य पुत्रः आसीत् ?  
(ii) विश्वस्य स्रष्टा कः ?  
(iii) आतुरस्य मित्रं कः भवति ?  
(iv) चन्द्रशेखरः स्वपितुः नाम किम् अकथयत् ?
9. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए। 9
- (i) स्वच्छ भारत अभियान  
(ii) विज्ञान वरदान या अभिशाप  
(iii) पर्यावरण प्रदूषण की समस्या और समाधान  
(iv) जनसंख्या वृद्धि की समस्या और समाधान  
(v) विद्यार्थी जीवन में खेल का महत्त्व



## [Up Board Hindi Paper 2023 801 (DG) Solution]

### ◆ Objective Answer Key

Q.N	Ans	Q.N	Ans	Q.N	Ans	Q.N	Ans
1	B	6		11		16	
2		7		12		17	
3		8		13		18	
4		9		14		19	
5		10		15		20	

### खण्ड- ख

#### प्रश्नोत्तर संख्या - 1 (क)

- (i) **सन्दर्भ** - प्रस्तुत गद्यांश हमारी पाठ्य पुस्तक हिंदी के 'मित्रता' नामक पाठ से लिया गया है जिसके लेखक 'आचार्य रामचंद्र शुक्ल' है
- (ii) **रेखांकित अंश की व्याख्या** -
- (iii) **क T**

#### प्रश्नोत्तर संख्या - 1 (ख)